नन्हे चूहे ने जंगल के फ़र्श पर अपना पैर पटका। फिर उसने ज़मीन से अपना कान सटा दिया। उसने यह देखने की कोशिश की कि क्या उसके ज़बरदस्त ढंग से पैर पटकने की वज़ह से दुनिया हिल रही है। "मैं दुनिया में सबसे मज़बूत जानवर हूँ," वह चिल्लाया। "देखो कहीं हाथी तुम्हारी बात न सुन ले," नन्हे चूहे के चाचा ने कहा। "हाथी शक्तिशाली है। वह तुम्हारा बड़बोलापन सुनना पसंद नहीं करेगा।"

"हाथी कहाँ है?" नन्हे चूहे ने पूछा। "मैं हाथी ढूँढूँगा और उसे दिखाऊँगा कि कौन सबसे मज़बूत है। मैं उसे फाड़ डालूँगा।" इसके बाद चूहा हाथी की तलाश में चला गया। चलते–चलते नन्हा चूहा छिपकली के पास आ गया। "क्या तुम हाथी हो?" नन्हे चूहे ने पूछा। "नहीं, मैं छिपकली हूँ।" "तुम बहुत भाग्यशाली हो," नन्हे चूहे ने कहा। "जब मुझे हाथी मिलेगा, तो मैं उसे फाड़ डालूँगा।

छिपकली चूहे की डींग सुनकर हँसने लगी। इस पर, चूहे ने अपना पैर ज़मीन पर पटक दिया। जब उसने पैर पटका, तो हवा में गड़गड़ाहट हुई। उस आवाज़ से छिपकली डर गई। वह भागकर दूर चली गई। "मैंने उसे दिखा दिया कि मैं कितना शक्तिशाली हूँ," चूहे ने सोचा। वह हाथी को ढूँढ़ने के लिए चला गया।

इसके बाद चूहा कुत्ते के पास आया। "क्या तुम हाथी हो," उसने जवाब तलब किया। "मैं कुत्ता हूँ," कुत्ता भौंका। "तुम बहुत भाग्यशाली हो," नन्हे चूहे ने कहा। "जब मुझे हाथी मिलेगा, तो मैं उसे फाड़ डालूँगा। कुत्ता चूहे की डींग सुनकर हँसने लगा। इस पर, चूहे ने अपना पैर ज़मीन पर पटक दिया। जब उसने ज़मीन पर पैर पटका, तो कुत्ते के मास्टर ने सीटी बजाई। कुत्ता मुड़ा और भागकर दूसरी तरफ चला गया। "मैंने उसे दिखा दिया कि मैं कितना शक्तिशाली हूँ," चूहे ने सोचा। वह फिर से हाथी को ढूँढ़ने के लिए चल पड़ा।

नन्हा चूहा तब तक चलता गया जब तक वह नदी के पास नहीं आ गया। एक बड़ा सलेटी जानवर नदी के पास खड़ा था। यह पहाड़ जितना बड़ा था। उसके पैर पेड़ जितने बड़े थे। उसके बड़े–बड़े कान और लंबी नाक थी। हाथी नदी पर झुका हुआ पानी पी रहा था जब उसने नन्हे चूहे को देखा। नन्हा चूहा ज़मीन पर गति कर रहे बुलबुले जैसा लग रहा था।

"अरे," नन्हे चूहे ने कहा। "क्या तुम हाथी हो? मैं दुनिया में सबसे मज़बूत जानवर हूँ। अगर तुम हाथी हो तो मैं तुम्हें फाड़ डालूँगा।" हाथी इस हास्यास्पद जानवर पर हँसने लगा। जब वह हँसा, तो उसकी नाक से पानी का फव्वारा निकलने लगा। पानी के बहाव ने नन्हे चूहे को नीचे गिरा दिया। वह रास्ते पर लुढ़कने–पुढ़कने लगा और पानी में लगभग डूब ही गया।

जब तक चूहा उठकर खड़ा होता, हाथी दूर चला गया। उसके पीछे पानी में डूबा मूर्ख चूहा रह गया था। "मैं समझ गया कि हाथी जानता था कि मैं कितना शक्तिशाली हूँ," नन्हे चूहे ने खुद को कहा। वह उस भारी तूफान में भाग गया। वह जानता था कि मैं उसे फाड़ डालूँगा।"

नन्हे चूहे ने अपने चाचा को बताया कि किस प्रकार हाथी लड़ने के बजाय भाग खड़ा हुआ। उसके चाचा अपने दोस्तों को बताया। उनके दोस्तों ने दुनिया में अन्य जानवरों को यह सब बताया। यहाँ तक कि लोगों

ने भी नन्हे चूहे की कहानी का संस्करण सुना।

अब दुनिया में हर कोई सोचता है कि हाथी चूहों से डरते हैं। केवल हाथी बेहतर जानता है। वास्तव में, हर बार जब हाथी पानी पीने की कोशिश करता है, वह अभी भी हँसता है और अपनी नाक से बाहर पानी का फव्वारा छोड़ता है।